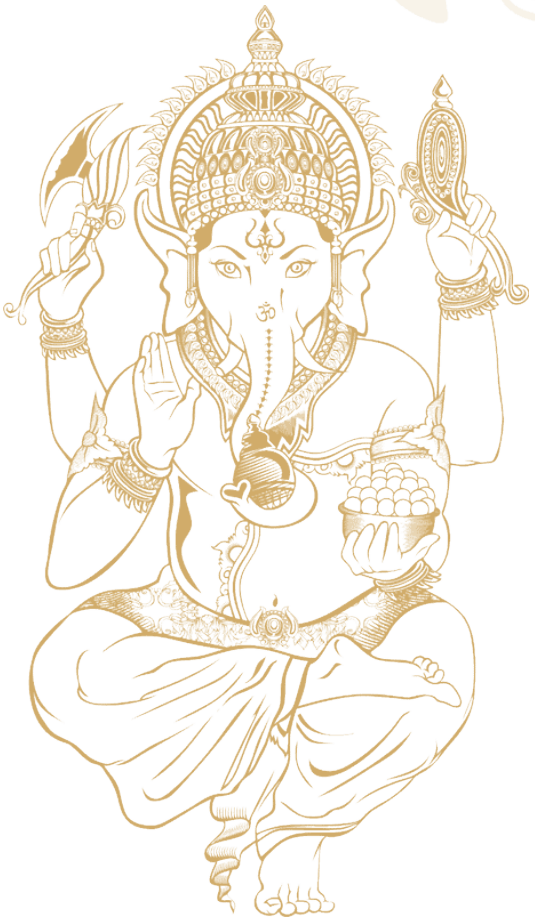

Yash Shrishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121171003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/09/1997	जन्म तिथि	16-17/08/2002
बुधवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 07:30:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 03:20:05	जन्म समय(घटी)	52:21:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Dausa
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:57	सूर्योदय	05:56:29
18:38:01	सूर्यास्त	19:00:50
23:49:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:22

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 10मा 13दि		10:37:36	कन्या	लग्न	मिथु	19:51:50	बुध 14वर्ष 7मा 15दि	
शुक्र		23:35:06	सिंह	सूर्य	कर्क	29:56:29	शुक्र	
24/07/2012		23:49:39	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	18:31:44	01/04/2024	
24/07/2032		23:18:38	तुला	मंगल	कर्क	28:00:54	01/04/2044	
शुक्र	24/11/2015	08:52:36	सिंह	बुध	सिंह	22:53:12	शुक्र	02/08/2027
सूर्य	23/11/2016	19:32:12	मक व	गुरु	कर्क	09:25:53	सूर्य	01/08/2028
चन्द्र	25/07/2018	03:50:00	तुला	शुक्र	कन्या	15:49:29	चन्द्र	02/04/2030
मंगल	24/09/2019	25:16:18	मीन व	शनि	मिथु	02:32:01	मंगल	02/06/2031
राहु	23/09/2022	25:55:10	सिंह व	राहु	वृष	21:35:15	राहु	02/06/2034
गुरु	24/05/2025	25:55:10	कुंभ व	केतु	वृश्चि	21:35:15	गुरु	31/01/2037
शनि	24/07/2028	11:22:58	मक व	हर्ष व	कुंभ	03:05:29	शनि	01/04/2040
बुध	25/05/2031	03:34:49	मक व	नेप व	मक	15:17:44	बुध	31/01/2043
केतु	24/07/2032	09:13:01	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:02:07	केतु	01/04/2044

लग्न-चलित

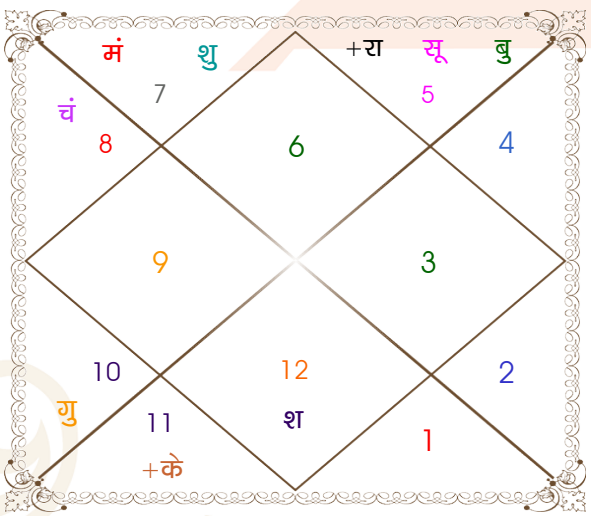

लग्न-चलित

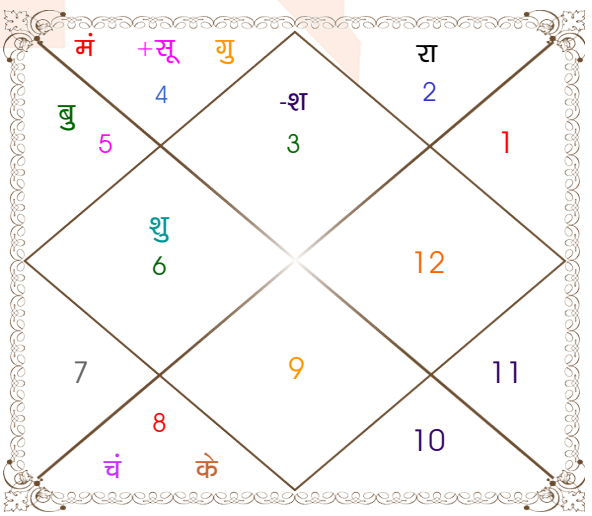

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

लै का वर्ग मृग है तथा ौतपीजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लै और ौतपीजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लै मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ौतपीजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

लै तथा ौतपीजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।